400

MAHD-04

June - Examination 2019

MA (Previous) Hindi Examination

काव्यशास्त्र व समालोचना

Paper - MAHD-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

(i) दो प्रमुख अलंकारवादी आचार्यों के नाम लिखिए।

(ii) काव्य प्रयोजन 'शिवेतरक्षतये' का क्या तात्पर्य है?

(iii) वक्रोक्ति सिद्धान्त (सम्प्रदाय) के प्रतिपादक आचार्य कौन हैं?

(iv) काव्यशास्त्र में 'रीति' का क्या अर्थ है?

(v) 'गौड़ीपरीति' से आप क्या समझते हैं?

(vi) फ्रायड के 'अचेतन मन' को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

(vii) आई. ए. रिचर्ड्स सम्प्रेषण को अधिक महत्वपूर्ण क्यों मानते हैं?

(viii) किन्हीं दो प्रगतिशील (मार्क्सवादी) आलोचक के नाम लिखिए।

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) काव्य में अलंकार–प्रयोग का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

3) काव्य की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके विविध लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

4) अरतू के अनुकरण सिद्धान्त की सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

5) साहित्य मे मार्क्सवाद के वैशिष्ट्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

6) अभिव्यंजावाद और वक्रोक्ति सिद्धान्त में समानता–असमानता का उल्लेख कीजिए।

7) पाठालोचन की आवश्यकता क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

8) नई समीक्षा के स्वरूप और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

9) साधारणीकरण की परिभाषा और स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'रस सिद्धान्त' पर एक लेख लिखिए।

11) आधुनिकतावाद की पृष्ठभूमि व स्वरूप को स्पष्ट करते हुए आधुनिकतावाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12) 'हिन्दी का आलोचनाशास्त्र' विषय पर एक लेख लिखिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(i) अस्तित्ववाद का स्वरूप और विशेषताएँ

(ii) साधारणीकरण का सिद्धांत

(iii) इलियट का काव्य चिन्तन

(iv) भारतीय काव्यशास्त्र में ध्वनि सिद्धांत का महत्व